वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 185 | बुधवार 1 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री तक बढ़ा

जयपुर-जोधपुर समेत कई शहरों में चढ़ा पारा; एंटी साइक्लोन बनने से हुआ असर

जयपुर. कासं

राजस्थान में अब दिन के साथ रात के तापमान भी बढ़ने लगा है। जयपुर, जोधपुर, चित्तौड़गढ़, चूरू समेत कई शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस तक ऊपर दर्ज हुआ है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक दक्षिण राजस्थान के ऊपर बने एक एंटी साइक्लोन और उत्तर भारत के ऊपर एक्टिव होते वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण ऐसा हो रहा है। इन दोनों सिस्टम के कारण उत्तर-पश्चिम से आने वाली हवाएं कमजोर हो गई है। मौसम केन्द्र जयपुर की रिपोर्ट देखे तो जयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, सीकर समेत कई शहरों में बीती रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद इन शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर चला गया

है। चित्तौड़गढ़, जयपुर में रात का तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस, बीकानेर, चूरू, जोधपुर, गंगानगर में सामान्य से 4 और जैसलमेर, बाड़मेर में सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस ऊपर है। इस कारण इन शहरों में रात में सर्दी का असर थोड़ा कम हो गया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तर भारत के जम्मू-कश्मीर और मुजफ्फराबाद के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो रहा है, जिससे नॉर्दन विंड का आना रुक गया है। इस कारण राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ने लगे है और यहां पॉल्यूशन का स्तर बढ़ गया है।

पिलानी में पारा 37 डिग्री पर पहुंचा

राजस्थान के पिलानी, बाड़मेर में दिन का तापमान भी 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इससे इन शहरों में दिन में तेज गर्मी रहने लगी है। इसी तरह जालोर में तापमान 36.2, जोधपुर, बीकानेर में 36, कोटा, धौलपुर, बारां, करौली, अलवर, जैसलमेर, चूरू में दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज हुआ।

हश जैमर की जयपुर में हुई लॉन्चिंग

राजस्थान के अलग-अलग जायकों का सफर होगा आसान, कैजुअल डाइनिंग में किया बदलाव

जयपुर. कासं। ओआईईपीएल फूड एंड बेवरेज ने जयपुर में वेजिटेरियन किचन एंड बार हश जैमर लॉन्च किया है। यहां आने वाले मेहमानों को राजस्थान के तरह-तरह के स्वादिष्ट फूड आइटम्स के असाधारण जायकों के सफर से रूबरू करवाया जाएगा। हश जैमर रेस्टोरेंट की परिकल्पना कमल. के. जालान ने की है। उन्होंने बताया कि जयपुर में शानदार डाइनिंग का अनुभव प्रदान करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यहां का भोजन जितना जायकेदार है, मेहमाननवाजी भी उतनी ही शानदार है। इसकी शुरूआत सी-स्कीम में की गई है। खाने-पीने के प्रति लोगों के जुनून को एक वास्तविक कैजुअल डाइनिंग अनुभव में बदलने के नजरिए से इस जगह को डिजाइन किया गया था। मशहूर शेफ अर्नब हलदर ने बताया कि यहां का मेन्यू स्थानीय राजस्थानी लजीज पकवानों के साथ आधुनिक फूड आइटम्स के मिश्रण का प्रतीक है। यहां हरेक फूड आइटम को बेहतरीन कला की एक मिसाल कहा जा सकता है। यहां कुरकुरे पनीर, पेरी-पेरी मंगोडी पनीर, कलमी वड़ा, दालमोठ पराठा, जोधपुरी मिर्ची, खाकरा पिज्जा, भुटैयां द केबा और मलाई चाप जैसे स्वादिष्ट फूड आइटम्स में अपनी पसंदीदा डिश चुन सकते हैं। इसके अलावा सरसों के फूल, पालक पनीर समोसा और जयपुर दाल तड़का जैसे कई व्यंजन भी खास है।

सिंधी वेलफेयर एसोसिएशन की महिला विंग ने मनाया दीपोत्सव

समाज के लोगों ने महाआरती कर स्पेशल फूड के साथ किया सिंधी छेज गरबा

जयपुर. कासं

सिंधी वेलफेयर एसोसिएशन की महिला विंग की ओर से पहली बार कम्युनिटी सेंटर पर दीवाली मेले का आयोजन किया गया। मेले की शुरूआत दीपोत्सव के साथ की गई। जिसमें शामिल लोगों ने महाआरती की। मेले में प्रमुख आकर्षण का केंद्र सिंधी फूड और सिंधी छेज गरबा रहा। मेले की आयोजक अनीता शिवनानी, कंचन लालवानी, और डॉ आशा पहिलाजानी रही। संयोजिका अनीता शिवनानी ने बताया- सिंधी समाज की महिलाओं की ओर से पहली बार इस तरह के मेले का आयोजन किया गया। जिसमें कई फूड स्टॉल गेम्स और गरबा का सभी ने खूब लुत्फ उठाया। इसके अलावा ,बच्चों और बड़ो के लिए कई आकर्षक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। मेले में एंट्री के लिए कोई शुल्क नहीं लिया गया। वहीं कार्यक्रम में झूलेलाल के भजन गीतों पर आरती-पूजा की गई। उसके बाद सभी के लिए भोजन प्रसादी की भी व्यवस्था की गई। सिंधी वेलफेयर एसोसिएशन

महिला विंग की सदस्य डॉ आशा पहिलजानी ने बताया- यह सिंधी मेले के आयोजन का पहला सफल प्रयास है , जिसका श्रेय सारी महिला विंग के मेंबर्स को जाता है। सिंधी समाज को एक जुट रखने का भी ये सफल प्रयास है। आगे और ऐसे आयोजन के प्रयास किए जाएंगे। ऐसे पहल के जरिए हमारी आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाने के लिये तैयार करेंगे। मेले में मुख्य अतिथि के तौर पर महेश दायमा शामिल हुए। सिंधी महापंचायत के अध्यक्ष राजन नागपाल ने सभी अतिथियों को उपहार और सनातन धर्म की निशानी तुलसी का पौधा देकर सम्मानित किया। अध्यक्ष राजन नगपाल ने कहा इस तरह के मेले का आयोजन समाज की समरसता को बढ़ावा देते हैं व बिखरे हुए सिंधियों को एकजुट लाते हैं।

गजराज गंगवाल ने कोडरमा में मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज का लिया आशीर्वाद

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज जैन गंगवाल दिल्ली का आज श्री दिगंबर जैन समाज,कोडरमा के पदाधिकारी ने स्वागत किया । आज प्रातः जैन संत जिन प्रभावक परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयेश सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से शुभ संयोग परिवार की ओर से 1008 श्री महावीर भगवान की प्रतिमा पर प्रथम अभिषेक शांति धारा के साथ संगीतमय पूजन किया गया इसके पश्चात कोडरमा के जमाई और महासभा अध्यक्ष गजराज जैन गंगवाल दिल्ली ने मुनि श्री के चरण धोने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर महासभा अध्यक्ष ने अपने उदगार व्यक्त करते हुवे कहा कि झारखंड में महासभा के सदस्य बहुत कम है अभी सदस्यता अभियान चल रहा है आप सभी महासभा के सदस्य बन कर महासभा की कार्यो को जन जन पहुँचाए । अभी सदस्यों का एक अलग अभियान में 3 केटेगिरी है डॉयमंड, गोल्डन व सिल्वर तीन तरह के सदस्य अभी अभियान द्वारा बनाये जा रहे है जिसमे डायमंड सदस्य बनने का सुनहरा अवसर पर महावीर निर्माण 2550 महोत्सव व चारित्र चक्रवती आचार्य 108 शांतिसागर जी शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में 31 मार्च तक निशुल्क सदस्य बनाये जा रहे है आप ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनकर अपना आई डी बनाये ओर महासभा जुड़कर महासभा का हाथ मजबूत करें महासभा हमेशा आपके साथ खड़ा रहेगा ओर तीर्थक्षेत्रो के विकाश,गरीब भाइयों का उत्थान,पढ़ाई के लिए जरूरत मंद जैन विद्यार्थियों को स्कोलरशिप आदि कई सामाजिक कार्य पूरे भारत मे महासभा कर रहा है,ओर पद पर लोग तो आते जाते रहेंगे अगर सभी सदस्य सक्रिय हो जाय तो महासभा ओर भी समाज उत्थान के कार्य कर सकती है।अभी महासभा ने राजनीतिक मंच में भी सक्रिय हो गई है सभी जगह जैन समाज को भी राजनीतिक में आने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज ने कहा कि महासभा संस्था 125 साल पुरानी है और पूरे भारत मे पुराने जितने जिनछिन अवस्था मे मंदिर थे उनका जीणोद्धार महासभा कराकर बहुत सुंदर कार्य कर रही है। इन संस्था का उद्देश्य कोई तेरह पंथ या बीस पंथ नही ये केवल दिगम्बर पंथ है इन महासभा को मेरा मंगल आशीर्वाद है साथ ही महासभा अध्यक्ष का स्वागत समाज के मार्ग निर्देशक जैन सुरेश झांझरी,जैन सुशील छाबडा,सुरेश जैन महामंत्री जैन ललित सेठी,सह मंत्री राज छाबडा, कोषाध्यक्ष जैन सुरेन्द काला, चातुर्मास संयोजक नरेंद झांझरी.. राज कुमार अजमेरा,नविन जैन।

डॉक्टर जब इंजेक्शन लगाते हैं तब इंजेक्शन में से थोड़ी दवाई क्यों निकाल देते हैं?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

शाबाश इंडिया

जब डॉक्टर सिरिंज में किसी शीशी से दवा भरता है तब यह जरुरी नहीं की सिर्फ दवा ही सिरिंज में प्रवेश करे। बहुत बार ऐसा होता है की एक दवा की शीशी कई बार इस्तेमाल करने से वह कुछ खाली हो जाती है जिससे उसमे दवा के साथ हवा भी मौजूद रहती है। इसलिए जब इस शीशी में सिरिंज को डाल कर दवा को बाहर खींचा जाता है तब दवा के साथ यह हवा भी सिरिंज में भर जाती है। ऐसे में यदि इसे सीधे मरीज के शरीर में लगा दिया जाये तब यह हवा के बुलबुले भी नसों में प्रवेश कर जायेंगे। हवा के बुलबुले नसों से होते हुए शरीर की विभिन्न रक्त कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं। जिससे रक्त कोशिकाओं का मार्ग अवरूद्ध हो जाता है। जिससे उस भाग की रक्त आपूर्ति बाधित हो जाती है। इसके कारण मरीज को जी मिचलाने, घबराहट होने, ब्रेन हेमरेज, लकवे जैसी शिकायत हो सकती है और यदि यह हवा का बुलबुला मरीज के हृदय तक पहुँच जाये तो हृदयघात के साथ मौत भी हो सकती है। इसलिए डॉक्टर जब इंजेक्शन लगाते हैं तब इंजेक्शन में से थोड़ी दवाई निकाल देते हैं? जिससे की उस दवा के साथ हवा भी बहार निकल जाये और मरीज के शरीर में न पहुँच पाए।

नोटः गलत दवा के अनावस्यक सेवन से जरुरत से ज्यादा पेनकिलर्स खाने से बहरापन की शिकायत भी हो सकती है।

इंजेक्शन कहां लगना है इसका चुनाव कैसे करते हैं?

हाथ या कमर में इंजेक्शन का चुनाव बीमारी के

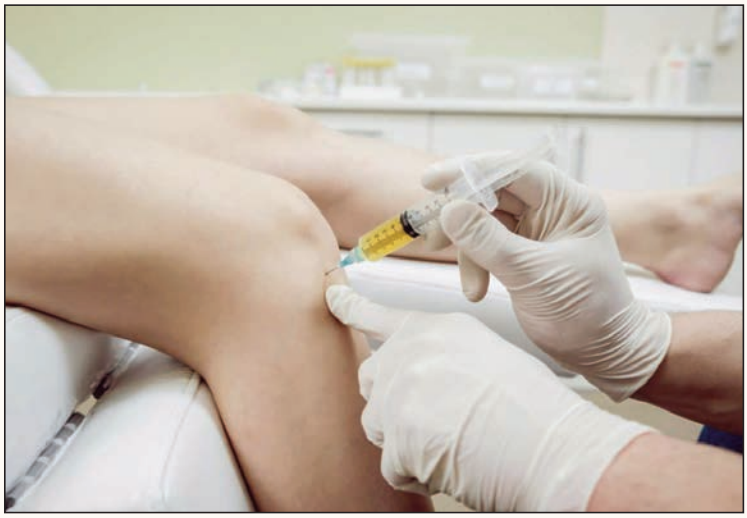

आधार पर नहीं होता बल्कि इंजेक्शन में मौजूद दवा के आधार पर होता है। इस प्रकार के इंजेक्शन जिनमें मौजूद लिक्विड खून में आसानी से मिल कर प्रवाहित हो सकता है, उन्हें हाथ में लगाया जाता है। बोलचाल की भाषा में इन्हें हल्के इंजेक्शन कहा जाता है। इनके कारण शरीर को किसी भी प्रकार की तकलीफ नहीं होती। कूल्हे में वह इंजेक्शन लगाए जाते हैं जिनके अंदर मौजूद लिक्विड रक्त के साथ आसानी से समायोजित नहीं होता। लिक्विड के खून में मिलने की प्रक्रिया के दौरान मरीज को दर्द हो सकता है। दर्द के अहसास को कम करने के लिए इंजेक्शन को कवर में लगाया जाता है। इस तरह के इंजेक्शन हाथ में लगाने की स्थिति में कभी-कभी हाथ हमेशा के लिए काम करना बंद कर देता है।

जिन शासन-जिन आयतनों पर उपसर्ग आए अपने प्राणों की चिंता मत करना

राम को मानने वाले, रावण का कार्य कर रहे हैं, ऐसा हिंदू राष्ट्र हमें नहीं चाहिए : मुनिश्री आदित्य सागर महाराज

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा । विद्यासागर वाटिका में श्रुत संवेगी मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में आठ दिवसीय कल्पद्रुम महामंडल विधान के दूसरे दिन पूजा अर्चना कर मांगलिक क्रियाएं की गई। भरत चक्रवर्ती एवं सौधर्म इंद्र की जिज्ञासा का जवाब देते हुए मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ने कहा कि श्रावक- श्रमण के कर्तव्य भिन्न-भिन्न है। लेकिन श्रावक-श्रमण एक दूसरे के पूरक हैं। मुनिश्री ने कहा कि व्यवहार एवं निश्चय दोनों के द्वारा धर्म की रक्षा करना है। ऐसे वचनों से दूर रहें कि पाप का बंध ना हो जाए। जिन शासन- जिन आयतनों पर उपसर्ग आए, तब अपने प्राणों की चिंता मत करना। मुनिश्री ने कहा कि आज गिरनार तीर्थ क्षेत्र को लेकर एक अज्ञानी पूर्व भाजपा सांसद महेश गिरी ने जैन मुनि के सिर अलग कर देने का भाषण का प्रयोग किया एवं जैन समाज को उदलित किया।

मुनिश्री ने कहा कि राम को मानने वाले रावण का कार्य कर रहे हैं। यह राम भक्त नहीं है। दुराचारी राजनेता है। रामकृष्ण, गीता, वेद पुराण में दिगंबर मुनियों की महिमा बताते है। मुनिश्री ने कहा कि गिरनार हमारा है, हमारा ही रहेगा। इस पंचम काल में गौर उपसर्ग आएंगे। आज जैन समाज को एकता के साथ रहना है। नहीं तो धर्म आयतन नहीं बचेंगे। उन्होंने ने कहा कि ऐसे हिंदू राष्ट्र हमें स्वीकार नहीं है। कुछ दिनों पूर्व प्रधानमंत्री ने जैन धर्म जिनशासन की महिमा बताई थी, लेकिन आज वह चुप क्यों है। मुनिश्री ने कहा कि गिरनार क्षेत्र पर प्रतिवर्ष एक साधु का चातुर्मास होना चाहिए एवं वहां सिद्ध चक्र मंडल विधान ऐसे अनुष्ठान भी होने चाहिए। उसका प्रभाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम मौन अहिंसक है। लेकिन कायर नहीं है। आज मीडिया बिक चुका है। उसे खरीद लिया गया है। नेता लोग फोटो खिंचवाकर चले जाते हैं। उन्हें आशीर्वाद किस बात का। उन्होंने कहा कि चुनाव में वोट के पहले इस घटना की राजनेताओं को विरोध दर्ज करना चाहिए। जिन शासन के प्रति कर्तव्य एवं समर्पण जरूरी है। संस्कारवान ही जिनशासन के प्रति समर्पित हो सकता हैं।

प्रोफेसर रमेश अरोड़ा पावरफुल पर्सनैलिटी टॉपिक पर बच्चों को उद्बोधन करेंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्ट सेमिनार संवर्धन का आयोजन शुक्रवार 3 नवंबर 2023 को आई आई एस, स्कूल शिप्रा पथ मानसरोवर में प्रांत पाल 3056 रोटे डॉ निर्मल कुनावत के सानिध्य में रोटरी क्लब जयपुर के द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें प्रांत 3056 के 25 इंटरेक्ट स्कूलों के लगभग 400 इंटरेक्टर्स, छात्र एवं छात्राएं भाग ले रहे हैं। सेमिनार में मुख्य वक्ता प्रोफेसर रमेश अरोड़ा पावरफुल पर्सनैलिटी टॉपिक पर बच्चों को उद्बोधन करेंगे। क्लब सचिव रोटे पीयूष जैन ने बताया कि क्लब अध्यक्ष रोटे उजास चंद जैन के द्वारा प्रांतपाल 3056 रोटे डॉ निर्मल कुमावत, पूर्व प्रांतपाल रोटे अशोक गुप्ता, पूर्व प्रांतपाल रोटे अजय काला, सह प्रांतपाल रोटे अरुण बगड़िया एवं अन्य पदाधिकारी के द्वारा संवर्धन डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्ट सेमिनार के पोस्टर का विमोचन 29 अक्टूबर को कराया गया।

वेद ज्ञान

चुनौतियों से जूझना ही जीवन

दीर्घावधि तक टिकी या बेकाबू प्रतीत होती कठिनाई, दुविधा या रुकावट चुनौती का रूप ले लेती हैं। सामान्य सोच विचार के अनुसार फूल हैं तो कांटे भी होंगे। प्रतिकूल परिस्थितियां जीवन का अभिन्न अंग हैं, इनका आना-जाना लगा रहेगा और इन्हें स्वीकार करना होगा। अंधकार न हो तो प्रकाश की कद्र कैसे होगी? चुनौतियों से निरंतर जूझते रहने का नाम ही जीवन है। जिन्हें सदा संरक्षण मिलता रहा वे स्वतंत्र रूप से बेहतरीन कार्य निष्पादन में अक्षम रहे। ज्ञान-विज्ञान, तकनीक, कला, साहित्य, अध्यात्म, समाजकार्य आदि के क्षेत्रों में जिन्होंने बुलंदियां हासिल कीं, उन्होंने कुदाली पकड़कर अपने रास्ते स्वयं तैयार किए। लक्ष्य प्राप्ति की उधेड़बुन में एक-दर-एक चुनौती से निबटने की प्रक्रिया में उन्हें निजी स्वार्थ साधने की सुध न रही। सुविदित भौतिक शास्त्री न्यूटन ने गति की बेहतर समझ में आड़े आती चुनौतियों को सुलझाते हुए गणित की एक प्रशाखा कैल्कुलस ईजाद कर डाली। किसी निर्धारित या नपे-तुले कार्य को पूरा कर डालना यांत्रिक गतिविधि है, जिसे रोबोट या मशीन कम समय में अधिक दक्षता से बखूबी निपटा लेती है। इसकी तुलना में चुनौतियों से जूझने के लिए बुद्धि, अंतर्दृष्टि, दूरदृष्टि और विशेष सूझबूझ चाहिए। कर्मवीर चुनौतियों से कतराता या बचने का प्रयास नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह जानता है कि इन्हीं सीढ़ियों के माध्यम से मंजिल तक पहुंचा जाएगा। मार्टिन लूथर किंग के अनुसार किसी की शख्सियत की पहचान सुविधा संपन्न परिस्थितियों के दौरान नहीं, बल्कि तब होती है, जब वह चुनौतियों से घिरा होता है। एक कवि ने यहां तक लिखा है, जिस व्यक्ति को प्रकृति असाधारण मुकामों के लिए तराशती है, उसे थपेड़ती, पटकती और तूफानों और कठिनतम परीक्षणों से गुजारती है तब जाकर वह निखर कर नायाब हीरा बनता है। दरअसल चुनौतियों का सामना किए बगैर प्रगति संभव नहीं। चुनौतियों से भागने या आंख मूंदने का अर्थ है समाधान से और अधिक दूर चले जाना। नई चुनौती व्यक्ति को तोड़ दे या झकझोर कर उसमें अभीष्ट तक पहुंचने की ललक जगा दे, यह उसकी सोच और नजरिए पर निर्भर है।

संपादकीय

खेलों में नए आयाम हासिल कर रहा है भारत

सितम्बर 23 से 8 अक्टूबर तक आयोजित हुए हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों शानदार प्रदर्शन के साथ 107 पदक जीतकर तमाम देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया था। हमारे पैरा एथलीटों ने भी हांगझोऊ पैरा एशियाई खेलों में 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य के साथ कुल 111 पदक जीत कर ऐसा इतिहास रच दिया है, जो किसी भी ऐसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में बहुत बड़ी उपलब्धि है। 22-28 अक्टूबर तक चले पैरा एशियाई खेलों में 43 देशों के करीब 4 हजार एथलीटों ने भाग लिया था, जिनमें भारत के 313 खिलाड़ियों का दल भी शामिल था। पदकों की संख्या के लिहाज से देखें तो 2010 के दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में 101 पदक हासिल कर भारत ने पहली बार 100 का आंकड़ा पार किया था और इस वर्ष एशियाई खेलों के दोनों ही संस्करणों में हमारे खिलाड़ियों ने पदकों का शतक पार करते हुए खेलों की दुनिया में ऐसी स्वर्णिम इबारत लिख डाली है, जिससे

साबित हो गया है कि भारत अब खेल महाशक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है। भारत के लिए विशेष बात यह भी कि पुरुष खिलाड़ियों के साथ- साथ महिला खिलाड़ी भी मैदान में दम खम दिखाते हुए पदक बटोर रही हैं। एशियाई खेलों में 107 और पैरा एशियाई खेलों में 111 पदकों की सुनहरी चमक के साथ भारतीय खिलाड़ियों द्वारा रचा गया इतिहास निश्चित रूप से भविष्य की अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पधाओं के लिए शुभ संकेत हैं। माना जा रहा है कि भारतीय खिलाड़ियों की इन स्वर्णिम उपलब्धियों ने अगले साल फ्रांस में होने वाले ओलंपिक खेलों में भारत के लिए उम्मीदों के नये द्वार खोल दिए हैं। भारतीय पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक ने तो एशियाई पैरा खेलों में भारत के शानदार प्रदर्शन बाद कहा भी है कि हम पेरिस पैरालंपिक में भी टोक्यो से ज्यादा पदक जीतेंगे। यह गर्व की बात है कि ओलंपिक हों या राष्ट्रमंडल अथवा एशियाई खेल या अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल स्पधाएं, हर कहीं हमारे खिलाड़ी अपना जलवा दिखा रहे हैं। वे अब ऐसे-ऐसे खेलों में भी अद्भुत प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां कभी हमारे खिलाड़ी टिक तक नहीं पाते थे। बैडमिंटन अथवा हॉकी हो या कुश्ती अथवा भारोत्तोलन, कबड्डी हो या भाला फेंक, लंबी दौड़ हो या तलवारबाजी या तीरंदाजी, निशानेबाजी हो या टेबल टेनिस, सभी स्पधाओं में खिलाड़ी सफलता के झंडे गाड़ रहे हैं। एशियाई खेलों ने तो बखूबी प्रमाणित भी कर दिया है कि हमारे यहां खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत है उन्हें प्रेरणा, प्रोत्साहन और प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा निखारने के उचित प्रयासों की । खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर और सुविधाएं मिलें तो वे तमाम खेलों में विश्व भर में धाक जमाते हुए भारत को खेल महाशक्ति बनाने का सामर्थ्य रखते हैं। विभिन्न स्पर्धाओं में भारत का विश्व चैंपियन बनना, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय पुरुष-महिला खिलाड़ियों द्वारा शानदार प्रदर्शन करते हुए निरंतर रिकॉर्ड बनाना, ओलंपिक खेलों में प्रदर्शन में सुधार, एशियाई चैंपियनशिप तथा राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का परचम लहराना, खेलों की दुनिया में भारत के बढ़ते दबदबे का संकेत है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भयावह हालात

राहत इंदौरी का यह शेर आम तौर पर दंगे-फसाद के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन दो देशों के बीच की लड़ाई या उससे बड़े पैमाने पर फैलने वाले युद्ध के साथ भी यही किस्सा जुड़ा है। कोरोना के बाद रूस-यूक्रेन की लड़ाई और अब इजरायल-हमास युद्ध ने पूरी दुनिया के माथे पर चिंता की लकीरें शायद इसीलिए खींच दी हैं। एक तरफ तो यह आशंका लगातार बनी हुई है कि यह लड़ाई और भड़की तो कहां-कहां फैल सकती है, किस-किस देश पर और किस-किस कारोबार पर कितना असर डाल सकती है। और दूसरी तरफ यह भी कि अगर लड़ाई न फैली, तो यह आग कब बुझेगी और तब तक कितना नुकसान हो चुका होगा? इसी डर का साया पूरी दुनिया के शेयर बाजारों पर पूरे हफ्ते छाया रहा। भारत में ही शेयरों की कुल कीमत या मार्केट कैपिटलाइजेशन में करीब 18 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। इसके पीछे सिर्फ इजरायल-हमास युद्ध नहीं, उसकी वजह से कच्चे तेल का बाजार बिगड़ने का डर और अमेरिका में ब्याज दरों के नई ऊंचाई पर पहुंचने से पैदा हुई चिंता भी शामिल है। यूरोप व अमेरिका में मंदी का डर बना ही हुआ है। अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने का असर यह हुआ है कि वहां इस वक्त सरकारी बॉन्ड में पैसा लगाने पर सालाना पांच फीसदी ब्याज मिल सकता है। भारत में यह रकम हल्की लगेगी, लेकिन अमेरिका और यूरोप के पैमानों पर यह बहुत ऊंची ब्याज दर है। 2007 के बाद से पहली बार अमेरिका में ब्याज दर यहां पहुंची है। इसका असर यह होता है कि दुनिया भर में पैसा लगाने वाले बड़े निवेशक सोचते हैं कि यहां बिना किसी जोखिम के पांच फीसदी की कमाई हो रही है, ऊपर से यह कमाई भी डॉलर में ही होनी है। जबकि दूसरी तरफ, भारत, चीन या किसी दूसरे विकासशील देश के शेयर बाजार में जो पैसा लगाया जाएगा, वहां जितना मौका है उतना जोखिम भी है, साथ ही उन देशों की मुद्रा के उतार-चढ़ाव से नुकसान का खतरा भी बना रहता है। यही वजह है कि अगस्त और सितंबर में विदेशी निवेशक भारत से 20 से 25 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम निकाल चुके थे। अक्तूबर में भी यह आंकड़ा 25 हजार करोड़ के ऊपर जा चुका है। मगर इन सारी चिंताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था पर भरोसा, घरेलू निवेशकों की जेब से म्यूचुअल फंडों और शेयर बाजार में लगातार आ रहा पैसा न सिर्फ शेयर बाजार, बल्कि उद्योग और व्यापार के लिए भी सहारा बना हुआ है। अगस्त के बाद से सिर्फ घरेलू संस्थागत निवेशकों, यानी एलआईसी और म्यूचुअल फंडों ने भारत के बाजार में 65 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम लगाई है। मगर भारत जैसा हाल सबका नहीं है। अमेरिका और यूरोप के अनेक देश इस चुनौती से जूझ रहे हैं कि कैसे मंदी में जाने से बचें, साथ ही महंगाई भी काबू में रख सकें। बरसों से भारत और अन्य विकासशील देशों में महंगाई की दर पश्चिमी दुनिया से काफी ऊपर रही, क्योंकि जब अर्थव्यवस्था बढ़ती है, तो महंगाई बढ़ना स्वाभाविक है। मगर यूरोप और अमेरिका में अर्थव्यवस्थाएं उस मुकाम पर हैं, जहां उनके लिए तेज रफ्तार से बढ़ना करीब-करीब नामुमकिन है। यही वजह है कि वहां महंगाई व ऊंची ब्याज दरें बहुत बड़ी मुसीबत बनकर उभरी हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, इसी साल जर्मनी, जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।

बालेसर में तनाव रोगोपचार कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन

बालेसर. शाबाश इंडिया

राजकीय विद्यालय बालेसर में तनाव रोगोपचार कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। सेखाला ब्लॉक के शिक्षा विभाग एवं भारती फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में सत्य भारती क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के अंतर्गत शहीद जसवन्त सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सेखाला में कक्षा 9 के 65 विद्यार्थियों के साथ तनाव रोगोपचार कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न किया गया जिसमें कक्षा अध्यापक गौरी शंकर शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को लाइफ स्किल्स कार्यशालाओं के अंतर्गत तनाव रोगोपचार क्यों जरूरी है, उस पर चर्चा की गई । बच्चों से उनके जीवन में तनाव के लक्षण समझना और तनाव को हल करने के उपाय समझिए जिससे वह नियमित उनको देखते रहे। भारती फाउंडेशन के एकेडमिक मेंटर प्रदीप उपाध्याय ने विद्यार्थियों को इस इस विचार से अवगत कराया गया कि तनाव को हल को समझना क्यों जरूरी है। प्रधानाचार्य रोहित द्वारा विद्यार्थियों द्वारा आज की गतिविधियों में जो लीडरशिप दिखाई गई उसके लिए विद्यार्थियों की काफी प्रशंसा की और निरंतर सभी गतिविधियों में ऐसे ही विद्यार्थियों में जिम्मेदारी लेने का एहसास उत्पन्न हो सके।

अभिमान को त्यागकर स्वाभिमान को अपनाने वाला व्यक्ति ही महान बनता है : साध्वी स्नेहप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। अभिमान नहीं करना और स्वाभिमान को छोड़ोगे नहीं तो जीवन में दुःख नहीं सुख पाओगे। मंगलवार साहुकार पेट जैन भवन मे श्री मद उत्तराध्ययन सूत्र के सोलहवें अध्याय का साध्वी स्नेहप्रभा ने वर्णन करतें हुए श्रध्दांलूओ से कहा कि अभिमान एक रोग है जिस मनुष्य को यह रोग लग जाता है वह जीवन भर दुःख झेलता है वह थोड़ी सी कामयाबी और अल्प धन के बल पर दुसरों के स्वाभिमान को गिराने वाला व्यक्ति जीवन मे कभी श्रेष्ठ और महान नहीं बन सकता है ऐसा इंसान जीवन प्रयाय सुख की अनूभूति नहीं कर सकता है और ना ही कभी महान बन पाएगा। वही व्यक्ति श्रेष्ठ और महान बन सकता है। जिसके भीतर मे करूणा, दया और अपनत्व की भावना के साथ स्वाभिमान होगा वही मनुष्य जीवन मे महान बन सकता है। और अपनी ख्याति को बढ़ा सकता है।

जैन अधिकारी एवं कर्मचारी "समाज गौरव" अलंकरण से हुए विभूषित

आचार्यश्री के अवतरण दिवस पर किया गया आत्मीय सम्मान

रत्नेश जैन रागी. शाबाश इंडिया

छतरपुर। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के 78 वें अवतरण दिवस पर जैन समाज छतरपुर ने दो दिवसीय विविध कार्यक्रम बड़े उल्लास के साथ आयोजित किए । इस खास सुअवसर पर जैन समाज ने विविध कार्यक्रमों के साथ जैन अधिकारियों तथा कर्मचारियों का आत्मीय और भावभीना सम्मान समारोह आयोजित किया। जैन समाज के डा.सुमति प्रकाश जैन के मुताबिक अवतरण दिवस के पहले दिन ब्र. नवीन भैया जबलपुर के निर्देशन में जैन मंदिर में सुबह से श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा एवं आचार्यश्री का पूजन हुआ। इसी दिन अन्य धार्मिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। सम्मान समारोह का शुभारंभ कार्यक्रम के अध्यक्ष दादा ज्ञान चंद चौधरी, न्यायाधीश अरविंद जैन तथा दीपक चौधरी द्वारा आचार्यश्री के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। सहमंत्री अजित जैन ने बताया कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस समारोह के दिन संध्याकाल मे अतिशय क्षेत्र डेरापहाड़ी छतरपुर के बाहुबली हाल में आयोजित एक गरिमामयी कार्यक्रम में अनेक जैन अधिकारियों और कर्मचारियों का चंदन का तिलक लगाकर जैन पंचरंगी पट्टिका, श्रीफल और मोहक स्मृतिचिन्ह भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया। इस अवसर पर जैन समाज की महिलाओं तथा बालिकाओं ने धार्मिक प्रभावना से ओतप्रोत प्रेरक नाटिकाएं प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। इस सम्मान समारोह में न्यायाधीशद्वय अरविंद जैन व दीपक चौधरी, प्रो.सुमति प्रकाश जैन, प्रो. पीके जैन, प्रो. अर्चना जैन,श्रीमती वंदना जैन खाद्य विभाग, इं.सुनील बड़कुल, इं.केसी जैन,इं.चंचल जैन, आनंद जैन, मुकेश जैन स्टेनो,माधुरी जैन शिक्षक, आदेश जैन टीआई, सुगंध जैन, स्वतंत्र जैन,श्रीमती शुचि जैन एसडीओ, विकास जैन,श्रीमती सुभाषिनी जैन, दिलीप जैन कोर्ट, निर्मल जैन आदि का सम्मान जैन समाज के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने किया।

25 नवंबर मतदान दिवस को लोकतंत्र दिवस के रूप में मनाएगा जयपुर व्यापार महासंघ

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया कि जयपुर व्यापार महासंघ द्वारा राजस्थान विधानसभा चुनाव 25 नवंबर मतदान दिवस को लोकतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाएगा व जयपुर व्यापार महासंघ मीटिंग में आज सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मतदान दिवस के रोज जयपुर के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे व जयपुर के व्यापारी मतदान दिवस के रोज सक्रिय भूमिका निभाते हुए अधिकतम मतदान हेतु जागरूकता अभियान चलायेंगे। इस संबंध में व्यापार मण्डलों द्वारा दीपावली पर भव्य सजावट व रोशनी के साथ अधिकतम मतदान की अपील हेतु प्रोत्साहन प्रोग्राम भी चलाया जायेगा ।जयपुर व्यापार महासंघ की चेम्बर भवन एम रोड पर मीटिंग आयोजित की गई । बैठक में जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ एवं जयपुर जिला परिषद कार्यकारी अधिकारी श्वेता सिंह ने व्यापार महासंघ के मतदान दिवस को लोकतंत्र दिवस के रूप में मनाने व मतदान जागरूकता अभियान चलाने के लिए धन्यवाद दिया व प्रशासन द्वारा दीपावली सजावट में पुरे सहयोग का आश्वासन दिया। आज के मीटिंग में व्यापार महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सैनी सलाहकार राजेन्द्र कुमार गुप्ता हुकम चन्द अग्रवाल उपाध्यक्ष कैलाश मित्तल ,नीरज लुहाडिया, प्रकाश सिंह, मिन्तर सिंह राजावत मनीष खूटेटा व आनंद महरवाल ने भी अपने सुझाव रखे।

जैन सोशल ग्रुप सनशाइन खेल सप्ताह का हुआ समापन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जैन सोशल ग्रुप सनशाइन ब्यावर के तत्वाधान में खेल सप्ताह का आयोजन 22 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक किया गया। संस्था सचिव प्रतीक खटोड़ ने बताया कि संस्था द्वारा पहली बार इस खेल सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चो से लेकर बड़ो तक सभी ने हिस्सा लिया। इस खेल सप्ताह में बच्चो की रेस, कैरम, चेस, बैडमिंटन, बॉल आउट, डोज बॉल और अंडरआर्म क्रिकेट का आयोजन किया गया। जिसमे कुल 225 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन सभी खेलो का समापन 29 अक्टूबर रविवार को सुंदर वाटिका में हुआ। पूरे सप्ताह तक खेलो का आयोजन हुआ और रविवार को अंतिम दिवस क्रिकेट, कैरम के फाइनल मैचों का आयोजन हुआ जिसमें अंडरआर्म क्रिकेट में कप्तान संदीप कोठारी की अगुवाई वाली टीम और सुनील लोढ़ा की अगुवाई वाली टीम के बीच फाइनल का महा मुकाबला हुआ जिसमे सुनील लोढ़ा की ने संदीप कोठारी की टीम को परास्त कर खिताब अपने नाम किया। महिलाओं में रंजना बाबेल की टीम विजेता रही। वहीं छोटे बच्चो में झलक जैन की टीम और बड़े बच्चो में मौलिक डेढ़िया की टीम विजयी रही। इन सभी खेलो में विजेता और उपविजेताओं को रविवार की शाम संस्था के अध्यक्ष विक्रम सांखला, संस्थापक अध्यक्ष वैभव सुखलेचा एवम सभी पदाधिकारियों द्वारा पुरस्कार दिए गए। इस खेल सप्ताह के समापन समारोह में संस्था के उपाध्यक्ष महेंद्र नाहटा, सहसचिव अमित कवाड़, कोषाध्यक्ष कमल पगारिया, पी आर ओ सुमित श्रीश्रीमाल, सभी पूर्व अध्यक्ष पंकज डेढिया, मनीष मेहता, अरुण रूणीवाल, संस्था के महेंद्र नाहर, रजत श्रीश्रीमाल, रूपेश कोठारी, नरेंद्र सुराना, विमल कांकरिया, अमित गोधा, पंकज भंडारी, महावीर आबड, विनोद श्रीश्रीमाल, अतुल जैन, पंकज भंडारी, राहुल बाबेल, दिनेश तातेड, अमित डाकलीया, मनीष रांका, राहुल बरडिया, हिरेन भंडारी के साथ शहर के कई गणमान्य सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष विक्रम सांखला के द्वारा संस्था के सभी सदस्यो को इस खेल सप्ताह को सफल बनाने के लिए दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया। साथ ही पधारे सभी मेहमानों का स्वागत कर सभी का धन्यवाद दिया गया।

एक दिवसीय जिन मंदिर यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

सीमंधर जिनालय ग्रुप द्वारा हीरा चन्द बैद,पवन बज, नवीन जैन चांदखेड़ी के संयोजन में व दिलीप जैन गांधीनगर के निर्देशन में आयोजित एक दिवसीय जिनमन्दिर वन्दना के दौरान श्रद्धालुओं ने निम्न प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिरों की दर्शन वन्दना की: सीमंधर जिनालय, मोहनबाडी, दीवानों की नसियां, बजों की नसियां, संघी जी की नसियां, थम की नसियां, अचरोल नवनिर्मित खण्डाका जी का मन्दिर, कूकस, नारदपुरा, रामगढ़, पालेड,सायपुरा, साईवाड, लांगडियावास, चांवल का मढ, श्योजी गोधा की नसियां , विजै पाण्डे की नसियां। 30 श्रद्धालुओं का दल प्रातः 7 बजे पंडित टोडरमल स्मारक भवन, बापू नगर के सीमंधर जिनालय के दर्शन करके एक लक्जरी बस से प्रस्थान कर सबसे पहले मोहनबाडी स्थित पंचायत दिगम्बर जैन मंदिर मोहनबाडी ल मुनि बाडील पहुंचे। यहां पर मन्दिर समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार बिलाला, दीपक बैद व अन्य पदाधिकारियों ने सभी यात्रियों का सम्मान किया। बिलाला ने समिति द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों से अवगत कराया। विकास कार्यों को देख सभी यात्रियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। रवि बैद व परिवार द्वारा चाय-नाश्ते की सुन्दर व्यवस्था की गई। बाद में यात्रा संयोजक हीरा चन्द बैद ने सभी का आभार व्यक्त किया। यहां से तीनों नसियां जी, थम की नसियां के दर्शन करके दिल्ली रोड पर अचरोल स्थित खण्डाका फार्म हाऊस पर नवनिर्मित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर के दर्शन किये। यहां से कूकस स्थित चन्द्र प्रभ अतिशय क्षेत्र पंहुचें। यहां दो दिवसीय वार्षिक मेले के कार्यक्रम चल रहे थे। यहां की प्रबन्ध समिति के श्री बाबूलाल बाकलीवाल जैन, सुरेन्द्र कुमार जैन व अन्य पदाधिकारियों ने यात्रियों का स्वागत किया। यहां दिन का भोजन करके नारदपुरा स्थिति दिगम्बर जैन मन्दिर के दर्शन करके जमवारामगढ़ पहूंच कर यहां के प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर के दर्शन किये । यहां मन्दिर प्रबंधक रविन्द्र जैन ने सभी का स्वागत किया। यहां से पालेडा के जैन मन्दिर के दर्शन किए। यहां श्री मती अनिला जैन ने शीतल जल की व्यवस्था की। यहां से ग्राम सायपुरा के मन्दिर के दर्शन करके साईवाड पंहुच कर सांयकालीन भोजन करके मन्दिर के दर्शन किये मन्दिर कमेटी की तरफ से महावीरजी बाकलीवाल ने स्वागत किया। यहां से ग्राम लांगडियावास के पार्श्वनाथ मन्दिर के दर्शन किये यहां के प्रबंधक रामबाबू ने सभी का स्वागत किया। यहां से ग्राम चांवढ का मढ , आमेर रोड स्थित शिवजी गोधा की नसियां व विजय पाण्डया की नसियां के दर्शन करके वापस पंडित टोडरमल स्मारक भवन बापू नगर जयपुर आये। यात्रा के सकुशल समापन पर सभी ने प्रसन्नता प्रकट कर संयोजक मण्डल को बधाई दी। यात्रा में वैभव जैन, मुकेश जैन, सुनील बज पप्पू, बैला, रचना बैद, प्रमिला, वन्दना, सुनीता, आभा, इन्दू , वन्दना, राजेश, अनोखी बैद, भव्या, राजेश जैन, प्रियंका जैन शशि जैन सुरेखा आदि शामिल थे ।

करवा चौथ पर मेहन्दी लगवाने का कार्यक्रम

सुशील चौहान. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा।सेवा भारती भीलवाड़ा महानगर द्वारा करवा चौथ त्योहार के उपलक्ष पर दो दिवसीय 30 अक्टूबर वह 31 अक्टूबर को सेवा भारती के मेहंदी केंद्र की बहनों द्वारा आजाद चौक मैदान के स्टेज पर मेहंदी मांडने का शुल्क कार्यक्रम रखा गया था यह जानकारी हाथ मंडवान आए डॉ अनिता आर्य ने दी। सेवा भारती के मंत्री जमनालाल सोनी ने बताया है कि सेवा भारती के चार आयाम शिक्षा स्वास्थ्य सामाजिक एवं स्वावलंबन है जिसमें स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत सेवा बस्ती की बच्चियों को रोजगार प्रदान करवाने हेतु मेहंदी केंद्र की बच्चियों को यह अवसर प्रदान किया गया है शादी विवाह में भी यह बच्चियों मेहंदी मांडने के लिए सेवा भारती के माध्यम से जाती है प्रकल्प शिक्षिका किरण नायक के नेतृत्व में सभी बच्चियों मेहंदी बना रही है इस कार्यक्रम में सेवा भारती के अध्यक्ष सत्यनारायण की कास्ट एवं उपाध्यक्ष बंसी लाल बोहरा कोषाध्यक्ष नटवर राठी तथा कैलाश गग्गड सुनीता सोनी संजय वर्मा का पूर्ण सहयोग मिला।

ऐ चांद! तुम जरा जल्दी आ जाना

अब न मुझे तुम और तरसाना,
ऐ चांद! तुम जरा जल्दी आ जाना।
सोलह श्रृंगार कर आज सजी हूं मैं,
पिया के लिए फिर निर्जल रही हूं मैं।
मेरे पिया को तुम लंबी आयु दे जाना,
ऐ चांद! तुम जरा जल्दी आ जाना।।

प्रेम का यह पर्व है सच में बहुत महान,
हर सुहागिन के दिल का है अरमान।
भूखी-प्यासी मैं तेरा इंतजार करूंगी,
छलनी से तुम दोनों का दीदार करूंगी।
पिया मिलन में न अब देर लगा जाना,
ऐ चांद! तुम जरा जल्दी आ जाना।।

दर्शन कर दोनों का मैं पूजन करूंगी,
पूजा आरती कर चरण वंदन करूंगी।
पति के हाथ से फिर मैं पानी पिऊंगी,
जब मरूंगी तब सुहागन ही मरूंगी।
तुम मेरा सुहाग अब अमर बना जाना,
ऐ चांद! तुम जरा जल्दी आ जाना।।

डॉ. अभिलाषा श्रीवास्तव
सहायक प्राध्यापक हिंदी
अंबाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अंबाह मुरैना (मध्य प्रदेश)

राघौगढ़ नगर गौरव मुनि निर्लेप सागर जी महाराज का दीक्षा दिवस समारोह पूर्वक मनाया

राघौगढ़. शाबाश इंडिया

नगर गौरव पूज्य मुनि निर्लेप सागर जी महाराज का पांचवा दीक्षा दिवस गृह नगर राघौगढ़ में मुनि निर्लेप सागर एजुकेशन एवं वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं राघौगढ़ के विधायक जयवर्धन सिंह थे। विशेष अतिथि भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर विजय जैन गुना,राघौगढ़ के न पा अध्यक्ष विजय कुमार साहू,अशोक नगर के पूर्व न पा अध्यक्ष श्री श्रेयांस चौधरी, गुना जैन समाज के अध्यक्ष संजय जैन,समाज सेवी प्रेमनारायण राठौर भजन सेठ थे। समारोह की अध्यक्षता वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष एवं राघौगढ़ के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ अजीत रावत ने की। कार्यक्रम के समन्वयक राघौगढ़ के पूर्व न पा अध्यक्ष एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीर विजय कुमार जैन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य विद्यासागर जी महाराज एवं पूज्य मुनि निर्णय सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि जयवर्धन सिंह ने कहा वेलफेयर सोसाइटी पारमार्थिक गतिविधियां चल रही है। जिसकी हम मुक्त कंठ से सराहना करते हैं। समिति की गतिविधियों को और आगे बढ़ाने हम खुरई में विराजमान मुनि निर्लेप सागर जी महाराज से मिलकर मार्गदर्शन लेंगे। भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर विजय जैन गुना ने मुख्य अतिथि एवं मंचासीन अतिथियों को भगवान महावीर के 2550 में निर्माण दिवस पर भारतीय जैन मिलन द्वारा भगवान महावीर के संदेशों पर प्रकाशित पुस्तक भेंट की। समारोह को भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय कुमार जैन एडवोकेट गुना, समाज सेवी अभिजीत गोयल, योगेन्द्र भारिल्य, भारतीय जैन मिलन के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर अशोक भारिल्य, मुकेश जैन कुंभराज ने भी संबोधित किया। आरंभ में अतिथियों का स्वागत ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ अजित रावत, जैन समाज राघौगढ़ के अध्यक्ष अजय कुमार रावत, मुनि निर्लेप सागर जी महाराज के गृहस्थ जीवन के पिताजी अनिल कुमार रावत कार्यक्रम के सूत्रधार डॉक्टर अमित रावत ने पगड़ी पहना कर तिलक लगाकर किया।

रोटरी महाकुंभ-डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस जयपुर में 20 व 21 जनवरी 2024 को

आयोजक क्लब- रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन होगा। कॉन्फ्रेंस के पोस्टर का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी प्रांत पाल डॉ निर्मल कुनावत के नेतृत्व में होने वाली डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस - नवोत्सव की तैयारियों लिए राजस्थान इंटरनैशनल सेंटर पर जयपुर शहर के सभी रोटरी क्लब की आयोजक क्लब- जयपुर सिटीजन के आतिथ्य में सभा आयोजित की गई। सर्वप्रथम क्लब अध्यक्ष राजेश गंगवाल द्वारा स्वागत सम्बोधन किया। इसके पश्चात कांफ्रेंस चेयरमैन सुधीर जैन गोधा ने विस्तार से बताया कि नवीन डिस्ट्रिक्ट - 3056 की प्रथम कॉन्फ्रेंस में देश के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित स्पीकर -फिल्म अभिनेता अनू कपूर,मोटिवेशनल गुरु एन रघु रमन, डॉ राजीव पुरी,लायंस इंटरनेशनल के राजू मनवानी और जयपुर के ही वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर सौरभ जैन संबोधित करेंगे। कॉन्फ्रेंस को रोचक बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर के भविष्यवक्ता, मैजिक शो, फैशन शो हास्य नाटक -नेक चोर का भी मंचन किया जायेगा। शाम को मुंबई के सिंगर दिल्ली के प्रसिद्ध बैंड-डोरे मि अपनी प्रस्तुति देंगे। कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी रोटेरियंस को आकर्षक किट, व 10 सदस्यों को लकी ड्रॉ द्वारा आकर्षक पुरस्कार दिए जायेंगे। मीटिंग में प्रांतपाल - निर्मल कुनावत ने रोटरी सेवा प्रोजेक्ट की चर्चा की वि कांफ्रेंस से एक सेवा प्रोजेक्ट के लिए आवाहन किया। पूर्व प्रांतपाल व डिस्ट्रिक्ट मेंटर अशोक गुप्ता, कॉन्फ्रेंस सलाहकार अजय काला, रत्नेश कश्यप, रमेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल ने भी संबोधित किया। कॉन्फ्रेंस वाइस चेयरमैन दिनेश बज ने बताया कि कॉन्फ्रेंस को सफल बनाने के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है। इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस के पोस्टर का भी विमोचन किया गया। इस जयपुर के रोटरी क्लब्स के सहायक प्रांत पाल, अध्यक्षगण, सचिव और रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सिटीजन क्लब द्वारा की जा रही तैयारी पर संतोष व्यक्त किया और सुझाव भी दिए। इस अवसर पर रोटरी सिटीजन के सभी बोर्ड मेंबर्स उपस्थित रहे। अंत में कॉन्फ्रेंस सेक्रेटरी सीए मनोज जैन ने सभी को बड़ी संख्या में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया।

शरद पूर्णिमा पर हुए डांडिया रास में उपमहापौर पारस सिंघवी ने भी खनकाये डांडिये

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शारदीय पूर्णिमा के मौके पर शहर के छोटी ब्रह्मपुरी चौक नवयुवक मंडल की तरफ से डांडिया रास का आयोजन हुआ । धवल चांदनी रात में माताजी की महाआरती के दौरान छोटी ब्रह्मपुरी सहित आसपास के इलाकों के कई महिला पुरुष और वरिष्ठ लोग मौजूद रहे। आयोजक छोटी ब्रह्मपुरी नवयुवक मंडल के मनोज साहू ने बताया कि पहली बार छोटी ब्रह्मपुरी नवयुवक मंडल की तरफ से इस कार्यक्रम की पहल पर कॉलोनी की महिलाओं, युवतियों और युवाओं ने माताजी के पारंपरिक गीतों पर पारंपरिक वेशभूषा पहनकर डांडिया रास किया। डांडिया रास में उपमहापौर पारस सिंघवी , पार्षद गौरव प्रताप और भाजपा नेता अर्चना शर्मा ने भी जमकर डांडिये खनकाये। डांडिया रास के बाद बेस्ट डांसर, बेस्ट कपल और बेस्ट ड्रेस विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद गौरव प्रताप सिंह, पूर्व उपमहापौर लोकेश द्विवेदी, भाजपा उदयपुर प्रत्याशी ताराचंद जैन, विद्युत समिति अध्यक्ष कुलदीप जोशी, विजय आहूजा, सुनील व्यास और बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव राजेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य मौजूद रहे। **रिपोर्ट/फोटो : दिनेश शर्मा, अर्जेन्ट स्टूडियो**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रमुख उद्देश्य व्यक्तित्व का विकास करना: प्रो. अल्पना कटेजा

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज दिनांक 31.10.23 सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की ओर से क्षेत्रीय निदेशालय, राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर एवं एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान मे आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यशाला का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. अल्पना कटेजा, कुलपति, राजस्थान विष्वविद्यालय, जयपुर, रही तथा प्रो.आर.एन.शर्मा, एन.एस.एस को-ऑर्डिनेटर, राजस्थान विश्वविद्यालय,जयपुर, गोपाल सैनी, अर्जुन अवार्डी, प्रो. आनंद वर्धन वी.सी. मेवाड़ यूनिवर्सिटी, एस.पी. भटनागर, क्षैत्रीय निदेशक, एन.एस.एस राजस्थान थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों से

स्वयंसेवक एवं कार्यक्रम अधिकारी और महाविद्यालय संकाय सदस्य उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.के.बी.शर्मा ने राज्यभर से पधारे एन.एस.एस. के वॉलिंटियर्स और प्रोग्राम ऑफीसर्स, महाविद्यालय संकाय सदस्यों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रुप में प्रो.अल्पना कटेजा, कुलपति, राजस्थान विष्वविद्यालय,जयपुर ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रमुख उद्देश्य व्यक्तित्व का विकास करना तथा समाज में रहने वाले जरूरतमंदों और बेसहारा तथा असमर्थ व्यक्तियों की सहायता करके उनको समर्थ बनाना है। इसीलिए यह कार्यक्रम इसकी पारदर्शिता को दर्शाता है। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित गोपाल सैनी, अर्जुन अवार्डी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा देश और राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना जागृत कर सकते हैं। क्षेत्रीय निदेशक एस पी भटनागर ने बताया कि प्रति वर्ष भारत सरकार द्वारा देश में स्वच्छ भारत अभियान, राष्ट्रीय एकता दिवस, खादी महोत्सव और फिट इंडिया का आयोजन करती है। इस साल भी एन.एस.एस इकाइयां इन कार्यक्रमों के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर रही हैं। इसी क्रम में आज का यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का ध्येय वाक्य ''मैं नहीं आप'' इसी को चरितार्थ करने हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि अखंड राष्ट्र बनाने की लिए राष्ट्रीय एकता का होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम संयोजक डॉ विशाल गौतम, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया।

हजारों भक्तों के लिए चार हजार किलो सब्जियों से तैयार होगा अन्नकूट का महाप्रसाद

संकटमोचन हनुमान मंदिर में महंत बाबूगिरीजी के निर्देशन में शुरू हुई तैयारियां

सुनील पाटनी.शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भारतीय संस्कृति का महापर्व दीपावली नजदीक आने के साथ धर्मनगरी भीलवाड़ा के हजारों भक्तों को दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा पर्व पर शहर के संकटमोचन हनुमान मंदिर में होने वाले अन्नकूट महाप्रसाद का इन्तजार है। हर वर्ष अन्नकूट का महाप्रसाद पाने के लिए हजारों श्रद्धालु मंदिर में उमड़ते रहे है। इस वर्ष 13 नवम्बर को होने वाले अन्नकूट महोत्सव के लिए मंदिर के महन्त बाबूगिरीजी महाराज के निर्देशन में तैयारियां शुरू कर दी गई है। अन्नकूट का महाप्रसाद तैयार करने में चार हजार किलो से अधिक विभिन्न तरह की सब्जियों का उपयोग होगा। इसे तैयार करने का कार्य पचास से अधिक हलवाईयों की टीम करेंगी। भक्तों की सहभागिता से तैयार होने वाले इस अन्नकूट के महाप्रसाद को तैयार करने में 20 से तेल के टिन एवं पांच टिन से अधिक शुद्ध घी का उपयोग होगा। स्वादिष्ट सब्जियों के साथ चावल एवं चवले भी बनाए जाएंगे। सब्जी तैयार करने में पनीर के सथ काजू,बादाम, किशमश, पिस्ता, केसर आदि को भी मिलाया जाएगा। सब्जियों का जायका बढ़ाने के लिए तेज पता, लौंग, दालचीनी, इलायची, गरम मसाला आदि का भी तड़का लगाया जाएगा। अन्नकूट के प्रसाद में मरके, गुलाबजामुन आदि विभिन्न तरह की मिठाईयां भी शामिल होंगी। मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी महावीर अग्रवाल एवं रमेश बंसल ने बताया कि अन्नकूट पर शाम को महंत बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में महाआरती के बाद महाप्रसाद का वितरण शुरू होगा। हजारों किलो अन्नकूट का प्रसाद तैयार करने के लिए अभी से व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। समाज का हर वर्ग इसमें सहभागिता निभाने के लिए आगे आ रहा है। अन्नकूट का प्रसाद पाने के लिए हर वर्ष हजारों भक्तों की लंबी-लंबी कतारे लगने से भक्तों को कोई परेशानी नहीं आए इसके लिए भी विशेष प्रबंध किए जा रहे है। इस आयोजन को लेकर भक्तों में भी उत्साह का माहौल है ओर हर कोई आगे बढ़कर सहयोग के लिए हाथ बढ़ा रहा है।

तीये की बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी प्रिय

श्रीमती कमला देवी जैन

धर्मपत्नी स्व. जम्बू कुमार जैन (चांदवाड़)

का आकस्मिक निधन 31.10.2023 को हो गया।
तीये की बैठक 02.11.2023 को प्रातः 9.00 बजे तोतुका भवन, भट्टारक जी की नसिया, नारायणसिंह सर्किल पर होगी।
तत्पश्चात् घडियों का दस्तुर होगा।

: शोकाकुल :

जिनेन्द्र-सरिता, आलोक-हेमा, चक्रेश-पिंकी **(पुत्र-पुत्रवधु)**, आभा धर्मपत्नी स्व. श्री रानूजी **(पुत्री)**, पदमकुमार, श्रेयांस, सरोज **(भतीजे)**, सौरभ-डॉ. अदिती, मोहित-नेहा, अंकित-श्रेया, रोहित-आयुषी, चिराग-साक्षी **(पौत्र-पौत्र वधु)**, श्वेता-यतिन गोधा, चारूल-सुमित पाटनी, हिमानी-अरिहंत काला **(पौत्री-पौत्री दामाद)**, यशवर्धन, रिषित, इवान, अदविक **(पड़पौत्र)**, मिष्ठी, अयाना **(पड़पौत्री)**, अर्पित-गजल, चर्चित-अक्षिता **(दोहिता-दोहिता वधु)**, रचित (दोहिता) एवं समस्त चांदवाड़ शास्त्री परिवार।

इन्द्र एण्ड कम्पनी, त्रिपोलिया बाजार
पिंकसिटी एडवरटाईजिंग कम्पनी, बजाज नगर एन्क्लेव
जे.एन.एस. कॉर्पोरेशन, महावीर नगर

जिनवाणी आत्मा को हल्का बना खोलती सद्गति का द्वार-इन्दुप्रभाजी म.सा.

लोभ से हमेशा बचे, नहीं भूले हमारे जीवन का लक्ष्य -समीक्षाप्रभाजी म.सा.।
रूप रजत विहार में उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन जारी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जिनवाणी केवल भक्ति का ही माध्यम नहीं बल्कि ये हमारे कर्मो की निर्जरा करने के साथ आत्मा का बोझ भी हल्का करती है। आत्मा जितनी हल्की होती जाएगी उतना सद्गति प्राप्ति आसानी होती जाएगी। जिनवाणी से दूर होकर पाप कर्म करते रहे तो आत्मा भारी होकर हमारी दुर्गति का कारण बन जाएगी। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में मंगलवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए भगवान राम के वनवास से जुड़े विभिन्न प्रसंगों की चर्चा की। महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने बताया कि एक नवम्बर से दीपावली तक प्रतिदिन दोपहर 3 से 4 बजे तक पुच्छीसुणम की आराधना रूप रजत विहार में होगी। धर्मसभा में उत्तराध्ययन सूत्र की 21 दिवसीय आराधना के सातवें दिन तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने आठवें अध्याय कापिलीय की चर्चा करते हुए कहा कि कर्मो की गति विचित्र है। समय कब पलटा खा जाए पता ही नहीं चलता। जो

कर्तव्य के आंसूओं को भूलकर स्वार्थ के आंसूओं में डूब जाता है वह अपने मार्ग से भटक जाता है। लोभ पाप का मूल होने से हमेशा लोभ से बचे। जैसे-जैसे लाभ बढ़ता है वैसे-वैसे लोभ भी बढ़ता जाता है। लोभवश ही व्यक्ति जीवन का लक्ष्य भी भूल जाता है कि मैं इस धरा पर किस लिए आया हूं। मन के विचार व्यक्ति को घूमाते रहते है ओर हम घूमते रहते है। अपना लक्ष्य हमे याद रहेगा तो जीवन में भटकाव नहीं आएगा। उत्तराध्ययन आराधना के माध्यम से 13 नवम्बर तक उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्यायों का वाचन पूर्ण किया जाएगा। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा., तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। धर्मसभा में अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि नियमित चातुर्मासिक प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। चातुर्मासकाल में रूप रजत विहार में प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना, दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप हो रहा है।

सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत का जाप

रूप रजत विहार में मंगलवार को सुबह 8.30 बजे से सर्वसुखकारी व सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत जाप का आयोजन किया गया। मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. एवं तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने ये जाप सम्पन्न कराया। इसमें भाग लेकर श्रावक-श्राविकाओं ने सभी तरह के शारीरिक कष्टों के दूर होने एवं सर्वकल्याण की कामना की। चातुर्मासकाल में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 8.30 से 9.15 बजे तक इस जाप का आयोजन हो रहा है।

महासमिति राजस्थान अंचल द्वारा एच सी जी अस्पताल में केन्सर रोग पर परिचर्चा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल, दिगम्बर जैन सौशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन एंव श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर महावीर नगर जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में एच सी जी अस्पताल में डॉक्टर मिताली जैन द्वारा केंसर रोगी कम हो इसके उपाय बताए एवं इससे सम्बंधित जांचें निशुल्क करवाईं गई। इस अवसर पर दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के अनिल जैन अध्यक्ष , महावीर जैन बाकलीवाल महामंत्री, नवीन सैन जैन राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन के राजेश जैन बड़जात्या अध्यक्ष, सुरेश बांदीकुई, मोहन लाल गंगवाल अध्यक्ष नवकार ग्रुप, सचिव गिरीश जैन, महिला अंचल से श्रीमती शंकुतला जैन अध्यक्ष, महावीर नगर जैन मंदिर से गिरीश बाकलीवाल, श्रीमती शशि जैन, डा णमोकार जैन, महावीर जैन चांदवाड के अलावा भारी संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों की उपस्थित रहे। निर्मल जैन संघी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संयोजक दिगम्बर जैन महासमिति ने एच सी जी अस्पताल की डॉक्टर मिताली जैन एवं उनके स्टाफ के सभी सम्माननीय सदस्यों को इस परिचर्चा में अपना अमूल्य समय देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में सहायक बने उनको धन्यवाद दिया।

जैन सोशल ग्रुप महानगर के जेकेजे दीपोत्सव डान्डिया का भव्य सफल आयोजन

भारी संख्या में रही लोगों की उपस्थिति, हाऊजी के भव्य पुरस्कारों के साथ देर रात्रि हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर जैन सौशल ग्रुप इन्टरनेशनल फैडरेशन नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में जैन सौशल ग्रुप महानगर जयपुर द्वारा 21वा दिपोत्सव डान्डिया कार्यक्रम दिनांक 29 अकटूबर को महावीर स्कूल सी-स्कीम जयपुर में शाम 4.00 बजे से रात्रि 12.00 बजे तक आयोजित किया गया। भारी भीड़ की उपस्थिति में समारोह का उद्घाटन जतिन मौसून, जेकेजे ज्वैलर्स (मुख्य प्रायोजक) द्वारा किया गया। दीप प्रज्ज्वलन आदित्य पुत्र सुनील पहाड़िया (वर्धमान ग्रुप) द्वारा किया गया। इसके उपरांत उपस्थित सभी अतिथियों द्वारा श्री महावीर भगवान की 1008 दीपको से महाआरती की गई। आरती का दृश्य देखने लायक था। सभी अतिथियों से आरती पश्चात दीपक को पानी के सरोवर में रखवाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण कसेरा किडस फैशन शो, 1008 दीपकों से भगवान महावीर की आरती, गरबा डान्डिया एवं बम्पर हाऊजी का आयोजन रही। महेंद्र सिंघवी, रीजन चैयरमैन, जेएसजीआईएफ ने बताया कि दीपोत्सव कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक जेकेजे ज्वैलर्स, ओर प्रायोजक एआरएल इन्फोटेक, सिटिवाईबस, कोटक महेंद्रा बैंक, सरस डेयरी, श्री राम ग्रुप, चार्ट ग्रुप थे। महानगर ग्रुप अध्यक्ष संजय छाबड़ा एवं सचिव सुनील गंगवाल ने बताया कि जेकेजे डांडिया दीपोत्सव कार्यक्रम के उदघाटनकर्ता जतिन मौसून, (जेकेजे ज्वैलर्स) मुख्य अतिथि प्रमोद पहाड़िया, (ए आर एल इन्फोटेक) समारोह अध्यक्ष श्रीमती रेणु राणा, सम्मानीय अतिथि उमरावमल संघी, (महावीर शिक्षा परिषद) दीप प्रज्जवलनकर्ता आदित्य पुत्र सुनील पहाड़िया (वर्धमान ग्रुप), डांडिया रिंग उदघाटनकर्ता अशोक अग्रवाल (श्री राम

ग्रुप) सहित अन्य विशिष्ट अतिथि राजेश अग्रवाल (सिटीवाइब), विनय सौगाणी (वर्ल्ड जेम्स), अरिहंत - सुनील पहाड़िया संस्थापक अध्यक्ष जेएसजी राजधानी, पवन जैन (फोटो गैलरी), मुकेश शर्मा (मेटा क्राफ्ट), डॉक्टर राजीव जैन, अखिल जैन (सरस्वती धाम), कुलदीप ढिल्लो, पवन सौगाणी (जैन आप्टीकल) ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। मुख्य सयोजक श्री दिपेश छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन, महाआरती, मंगला चरण के साथ हुई। उसके उपरांत संजय छाबड़ा, महानगर ग्रुप अध्यक्ष का स्वागत उदबोधन हुआ ओर जतिन मौसूण, प्रमोद पहाड़िया एवं महेंद्र सिंघवी द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों को दीपोत्सव डान्डिया कार्यक्रम की बधाइ दी। रवि प्रकाश जैन, पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि नरेश यादव, एमडी, चार्ट ग्रुप हाऊजी पुरस्कार के प्रायोजक एवं लक्की ड्रॉ के प्रायोजक सिटी वाइब थे। सुनील गंगवाल, सचिव द्वारा आये हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अशोक अग्रवाल (श्री राम ग्रुप) को डांडिया सर्कल का उदघाटन करने के लिए आमंत्रित किया। प्रदीप जैन, संस्थापक अध्यक्ष ने बताया कि इस बार सुरक्षा व्यवस्था हेतु पूरे ग्राउंड मे सीसीटीवी रिकॉर्डिंग के साथ साथ सिक्यूरीटी गार्ड भी लगाए गये थे। राजीव जैन पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जेएसजी अरिहंत, मेट्रो, जेएसजी राजधानी, गोल्ड, अपटूडेट, राजस्थान जैन युवा महासभा, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार, सन्मति, आदिनाथ मित्र मण्डल, जयपुर ज्वैलस, लायनेस क्लब स्वरा, बी सी फाउंडेशन एवं अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संस्थाऐ ने सहभागिता निभाई। इस कार्यक्रम में चटपटे स्वादिष्ट व्यंजन बहुत ही उचित दरों पर उपलब्ध कराये थे साथ ही बच्चों के लिए बोनसी, मैजिशियन आदि की व्यवस्था रखी गई। कार्यक्रम के अन्त में किडस फैशन शो के विजेताओं, डान्डिया के विजेताओं एवं हाऊजी विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। नोर्थन रीजन टीम महेंद्र सिंघवी, चेयरमैन, राजीव पाटनी, (चैयरमैन इलेक्ट), नरेश रावका एवं रविन्द्र बिलाला, (वाईस चैयरमैन), सिद्धार्थ जैन (सचिव), राजकुमार जैन, डाक्टर राजीव जैन, (जॉइंट सेक्रेटरी), धीरज पाटनी एवं राजेश काला (पीआरओ) ने पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रह कर सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में नगर निगम ग्रेटर के उप महापौर पुनीत कर्णावट सुभाष जैन अध्यक्ष, विनोद जैन कोटखावदा, मंत्री (राजस्थान जैन सभा), सूर्य प्रकाश छाबड़ा, संजय जैन पाण्डया (पूर्व चेयरमैन, रीजन) राकेश गोदिका, (सम्पादक शाबाश इन्डिया), सभी जैन सौशल ग्रुप के अध्यक्ष, सचिव सहित समाज के गणमान्य सदस्यो ने उपस्थित हो कर दीपोत्सव डांडिया कार्यक्रम की शौभा बढाई। डान्डिया जज के रूप में संजीव कोठारी (सयोजक, सुबोध ला कॉलेज) एवं श्रीमती राखी गुप्ता (रजिस्ट्रार, आईआईएस यूनिवर्सिटी) ने भूमिका निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु डान्डिया सयोजक स्वाति-नरेंद्र जैन, विनीत - मोनिका जैन, महावीर - सुनीता कसेरा, मोनाली - पीयूष सोनी, अमिता - राजकुमार जैन एवं फैशन शो सयोजक अरविंद - दिपीका जैन, विपिन - हेमा जैन, अमित - मोनिका आन्धिका, मनीष - साक्षी जैन के साथ साथ सह सयोजक के रूप में अतीव - दीपिका जैन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आदेश जैन - साकेत जैन, (कुमकुम स्टूडियो) को फोटोग्राफी, विडियोग्राफी, एलईडी, 360 डिग्री सेल्फी प्रायोजित करने पर एवं राकेश गोदिका, सम्पादक शाबाश इन्डिया को दीपोत्सव डान्डिया कार्यक्रम की लगातार 7 दिवस तक न्यूज कवरेज करने पर सम्मानित किया गया। जैन सौशल ग्रुप के सभी सदस्यों के लिए जेकेजे ज्वैलर्स के सभी स्टोर्स पर विशेष छूट की घोषणा की गई। मंच का सुंदर संचालन रवि प्रकाश जैन, पूर्व अध्यक्ष जैन सौशल ग्रुप महानगर एवं अंकित खंडेलवाल द्वारा किया गया।

@...पेज 12 पर

जैन सोशल ग्रुप महानगर के जेकेजे दीपोत्सव डान्डिया का भव्य सफल आयोजन

जैन सोशल ग्रुप महानगर के जेकेजे दीपोत्सव डान्डिया का भव्य सफल आयोजन

एम्बीशन किड्स ने मनाया ब्लू डे, दिया जल संरक्षण का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

एम्बीशन किड्स की कक्षा नर्सरी से प्रेप तक के सभी शिक्षार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ ब्लू डे मनाया और इस अवसर पर शिक्षार्थियों ने तथा सभी शिक्षिकाओं ने भी नीले रंग की विभिन्न पोशाके पहनी। एंबीशन किड्स एकेडमी में सुबह से ही हर तरफ नीला ही नीला नजर आ रहा था। किसी ने पृथ्वी तो किसी ने जलचर प्राणियों के मॉडल के रूप धारण किए थे । प्राचार्या डॉ. अलका जैन ने बच्चों को जल संरक्षण के संदर्भ में जानकारी देते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने बताया कि रंगों की खुशी का जश्न मनाने के लिए हर महीने भिन्न-भिन्न रंगों का दिवस मनाते हैं ।इसी श्रृंखला में नीले रंग की महत्ता इसी बात से स्पष्ट हो जाती है कि यूनिसेफ द्वारा संचालित सभी गतिविधियों में नीला रंग का उपयोग किया जाता है तथा यह बाल दिवस का आधिकारिक रंग है । यूनिसेफ का ब्लू अभियान बच्चों के लिए अधिक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण बनाने का प्रतीक माना जाता है। अतः नीला रंग विश्वास, निष्ठा, ज्ञान , बुद्धिमता, आत्मविश्वास और सच्चाई का प्रतीक है। उपाचार्या अनीता जैन के निर्देशन में बच्चों ने इस विषय पर अपने विचार रखें तो कुछ बच्चों ने स्लोगन और लघुकथा के माध्यम से जल संरक्षण के महत्व को समझाया । एम्बीशन में हर तरफ उत्साह और उमंग ही नजर आ रहा था। संस्था निदेशक डॉ. मनीष जैन ने बताया कि हर रंग किसी न किसी चीज का प्रतिनिधित्व करता है। बच्चे चमकीले रंगों की ओर अधिक आकर्षित होते हैं । इन सभी रंगों में अलग-अलग गुण होते हैं। नीला रंग सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास की भावना पैदा करने में मदद करता है। कार्यक्रम के अंत में संस्था अध्यक्ष डॉ एम. एल. जैन मणि द्वारा बच्चों को ब्लू डे पर उपहार वितरित किया और आशीर्वाद प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।